श्री रामपाल सोनी

भीलवाड़ा

नाम	:	श्री रामपाल सोनी
जन्मतिथि एवं स्थान	:	२६ जनवरी, १९४७/रूपाहेली कलाँ
शिक्षा	:	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनीयरींग
पता	:	उद्योग-सिन्थेटिक वस्त्र निर्माण
(कार्यालय)	:	संगम (इण्डिया) लिमिटेड, अपोजिट हायर सैकण्ड्री स्कूल, जयपुर रोड, भीलवाड़ा-३११००१ (राज०)
पद (सामाजिक)	:	सभापति- अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा
दूरभाष	:	२४२२२६, २४२५४६, २४२०८५, २४१८३८
पता (निवास)	:	१, मेन सेक्टर, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा-३११००१
दूरभाष	:	(०१४८२) २५२०००, २५२१११
फैक्स	:	२५१३८६
पारिवारिक पृष्ठभूमि	:	
पिता	:	स्व. बद्रीलाल जी सोनी
ससुराल पक्ष	:	
श्वसुर	:	स्व. मोतीलाल जी तोषनीवाल
पत्नी	:	श्रीमती राधादेवी सोनी
पुत्र	:	श्री अनुराग सोनी
पुत्री	:	श्रीमती ममता पत्नी श्री एस. एन. मोदानी, भीलवाड़ा श्रीमती अर्चना विनोद सोडाणी, भीलवाड़ा श्रीमती अंजना श्रीमती अंतिमा

एक साधारण आर्थिक स्थिति वाले परिवार में उत्पन्न होने वाले श्रीरामपाल सोनी की अनवरत जीवन यात्रा एक ऐसे संघर्षशील नवयुवक के संघर्षो, अनुभवों को अपने में संजोए हैं जिसने अपने अदम्य उत्साह, दृढ़ इच्छा शक्ति और मेहनत से विपरीत आर्थिक परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपनी उच्च्य महत्वाकांक्षाओं को साकार किया है।

श्री रामपाल सोनी एक मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, मेहनती एंव संघर्षो के बीच विजय श्री वरण करने वाले व्यक्ति रहें हैं। १२ वर्ष की अल्पायु में पिताजी की मृत्यु से उपजी कठिनाईयों ने आपको संघर्ष का पहला पाठ पढ़ाया। बचपन कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बीच बीता। विपरीत परिस्थितियों में भी आपने शिक्षा का क्रम जारी रखा तथा १९६४ में डिप्लोमा (सिविल इंजीनियरिंग) की परीक्षा उत्तीर्ण की। तत्पश्चात १९६४ में राजस्थान सरकार के सिंचाई विभाग में बतौर इंजीनीयर नौकरी प्रारम्भ की और अनुभव अर्जित करके १९७८ में ''फ्रेण्ड्स इन्टरप्राईजेज और श्रीराम इन्टरप्राईजेज'' नामक दो फर्मो की स्थापना से 'ए क्लास कन्ट्रैक्टर' के रूप में स्वयं का कार्य आरम्भ किया।

लेकिन नवयुवक रामपाल सोनी की महत्वाकांक्षाएं बहुत ऊँची थी। आप उद्योग की ओर अग्रसर होना चाहते थे, वह अवसर भी शीघ्र आया। सन् १९८२ में राजस्थान सिन्थेटिक नाम की एक फर्म की स्थापना करके आपने सिन्थेटिक वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में पदार्पण किया और १९८६ में मैसर्स संगम प्रोसेसर्स भीलवाड़ा लि० की भीलवाड़ा में स्थापना की। भविष्य में इस यूनिट का विस्तार अहमदाबाद के निकट एक गांव अंखोल में मैसर्स अनुराग प्रोसेसर्स के नाम से हुआ। आज संगम इण्डिया लि० एक पब्लिक लि० कंपनी है तथा संगम, अनुपम, अनुराग व अनमोल सूटिंग्स के नाम से उत्पादन कर रही है। ५०० स्टाफ तथा २००० श्रमिकों रोजगार प्रदान करके देश की बेरोजगारी की विकराल समस्या के समाधान के लिए भी प्रयत्नशील है। आज संगम ग्रुप की विभिन्न इकाईयों में लगभग २५० लूम्स हैं जिसमें ४६ आयातित स्विस एवं एशियन सल्जर भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त धागा उत्पादन की अत्याधुनिक इकाई 'संगम स्पिनर्स', जिसमें १७२८० स्पिण्डल हैं, की स्थापना भी उनके व्यावसायिक कैरियर में एक मील का पत्थर कही जा सकती है। जिसमें ४० करोड़ रूपये का विनियोजन किया गया है।

आज आपने दृढ़ आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत और दूरदृष्टि से सिन्थेटिक यार्न एवं कपड़े के उत्पादन के क्षेत्र में अपने आपको राजस्थान के प्रतिष्ठित उद्योगपति के रूप में स्थापित किया हुआ है।

श्री रामपाल सोनी ने केवल उद्योगपति हैं वरन् अन्य समाजसेवी संस्थाओं- शिक्षण, धार्मिक तथा चैरिटेबल संस्थाओं से विभिन्न रूपों मे जुड़े रहकर वहाँ अपना अविस्मरणीय योगदान दे रहे हैं।

आप सिन्थेटिक वीविंग मिल्स एसोसिएशन भीलवाड़ा के सचिव एवं अध्यक्ष रहे हैं। मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज की भीलवाड़ा इकाई के कई जिम्मेदार एवं महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए वर्तमान में अध्यक्ष हैं। टेक्सटाईल मिल्स एसोसिएशन ऑफ कॉमर्स इंडिया एण्ड इण्डस्ट्रीज, जयपुर के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में आप भीलवाड़ा सामाजिक संगठनों में, जिला माहेश्वरी सभा तथा राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष हैं। युनेस्को (क्षेत्रीय अध्यक्ष) तथा अनेक स्थानीय चैरिटेबल ट्रस्टों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष हैं। समाज के हर क्षेत्र में इन्होंनें अपनी पहचान बनाई है। भीलवाड़ा जिला कबड्डी संघ, मेवाड़ अनुसंधान संस्थान एवं सेंट पाल इंग्लिश स्कूल के क्रमशः उपाध्यक्ष एवं साफ्ट बाल संघ के अध्यक्ष के रूप में अपनी बहुमूल्य सेवाएं दे रहें हैं। वे फिक्की औद्योगिक समिति के सदस्य, भारत एग्रो इंडस्ट्रीज फाउन्डेशन पूना के ट्रस्टी तथा रोटरी क्लब के सदस्य हैं तथा अन्य बहुत सी संस्थाओं से विभिन्न उत्तरदायी पदों पर रहकर जुड़े हुए हैं। वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति का पद सुशोभित कर रहें हैं।

गरीब असहाय विधवाओं व गरीब विधार्थियों की सहायतार्थ आप अपना आर्थिक सहयोग श्रीमती केसरबाई सोनी चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त आपने एक १० बेड वाले आई.सी.यू. तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं से युक्त श्रीमती केसरबाई सोनी मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना ३० जनवरी, १९९३ को भीलवाड़ा में की, जिसमें १० शायिकाओं की सुविधा के साथ मेर्टनिटी होम इत्यादि की सुविधाएं उपलब्ध हैं। जिला अस्पताल में मेटरनिटी वार्ड की स्थापना में आर्थिक सहयोग, स्थाई रूप से समाज के जरूरतमंदों को सिलाई प्रशिक्षण, टाइपिंग प्रशिक्षण इत्यादि की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई हैं। इसके अलावा संगम अभिरूचि शिविर का संचालन सन् १९८९ से किया जा रहा हैं। इस शिविर मे ८०० से १००० छात्राएँ आंतरिक साजसज्जा, संगीत इत्यादि में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। सन् १९९४ में पूज्यनीय पिताजी श्री बद्रीलाल सोनी की स्मृति में निर्मित बद्रीलाल सोनी चैरिटेबल ट्रस्ट भी परोपकार की उपरोक्त दिशाओं की ओर कार्यरत है। राजस्थान महेश सेवा निधि की १९९४ में स्थापना आपकी परोपकारी वृति का एक अन्य उदाहरण है।

आपने सन् १९९१ में हनोई में आयोजित टेक्सटाइल मशीनरी की अंर्तराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया। इसी के दौरान इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, इटली व फ्रान्स आदि युरोप के देशों का आपने भ्रमण किया।

आपकी औद्योगिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए सन् १९९३ में इन्स्टीट्यूट ऑफ मार्केटिंग मैनेजमेंट तथा एल. आई.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सर्वोत्तम मार्केटिंग व सुसंगठित संगठन का 'बेस्ट अवार्ड' तत्कालीन श्रम व कल्याण मंत्री श्री सीताराम जी केशरी द्वारा आपको प्रदत्त किया है।

दिनांक १६ जनवरी १९९५ को श्री बलराम जी जाखड़, तत्कालीन कृषि मंत्री, ने औद्योगिक जगत में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल करने के लिये आपको ''उद्योग पत्र अवार्ड'' प्रदान किया है।

ऐसे प्रतिभाशाली श्री रामपाल सोनी पर समाज को गर्व है। आप उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहें तथा आपकी सेवाएं समाज को सदा सुलभ रहें, ऐसी हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं।